उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
पूरक परीक्षा–जुलाई, 2015
अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)
कूटबंध सं. 2/1, 2/2, 2/3
कक्षा XII

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/ मूल्य बिन्दु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1	2/2	2/3		
1	1	2	1		**15**
	क	क	क	• स्वार्थ और संघर्ष (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य।)	**1**
	ख	ख	ख	• झूठी बातों को सुन कर भी कुछ नहीं कर सकना। • क्योंकि कुछ कहने और विरोध करने पर सच बोलने वाले के विरोध में वातावरण तैयार करना।	**1+1**
	ग	ग	ग	• समाचार के तीव्र साधनों की सबलता। • धैर्य, शांति का अभाव। • विरोध करने में अक्षम।	**1+1**
	घ	घ	घ	• कूटनीति, दंगा–फसाद को देख कर चुप रहना खतरनाक। • जब हम अपनी जिम्मेदारियों को नहीं समझते।	**2**

	ङ	ङ	ङ	• भारत वर्ष की आत्मा कभी किसी दंगा–फसाद और टंटे को पसंद नहीं करती। • अन्याय का विरोध, सच्चाई और भद्रता पर दृढ़ता।	**2**
	च	च	च	• संघर्ष से बदलाव संभव। • स्वार्थी व्यक्तियों से संघर्ष कर आम आदमी को हक दिलाना।	**1+1=2**
	छ	छ	छ	• ध्यानस्थ रहकर अपने आराध्य का नाम लेना। • लगातार नाम (आराध्य, ब्रह्म) का जाप करना।	**2**
	ज	ज	ज	• जीवन और मरण – द्वंद्व समास।	**1**
	झ	झ	झ	• भले आदमी की यह चाल है कि झूठी बातों को सुनकर चुप रह जाए। (अन्य उचित उत्तर अपेक्षित)	**1**
2	2 क	1 क	2 क	• निर्झर की तरह सतत प्रवाहमान है।	**1**
	ख	ख	ख	• मस्ती और गतिवान • सुख–दुख, उतार–चढ़ाव	**1**

	ग	ग	ग	• कठिनाइयों और संघर्षों के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना।	1
	घ	घ	घ	• जीवन में सामर्थ्य और पुरुषार्थ ही आगे बढ़ता है।	1
	ङ	ङ	ङ	• जीवन आगे बढ़ने का नाम। • सुख–दुख जीवन की सौगात। • संघर्ष और पुरुषार्थ के साथ आगे बढ़ना।	1
				खंड–ख	
3	3	3	3	• भूमिका –1 • विषय वस्तु –3 • भाषा –1	5
4	4	4	4	• आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ –1 • विषय वस्तु – 3 • भाषा –1	5
5	5 क	–	–	• कार्टून द्वारा सरकार तथा तत्कालीन व्यवस्था पर व्यंग्य।	1×5=5 1
	ख			• सरकारी या गैर सरकारी क्षेत्रों में होने वाले कामकाज पर निगाह रखना तथा किसी भी तरह की धांधली का पर्दाफाश करना।	1

	ग	–	–	• पूर्णकालिक • अंशकालिक • फ्रीलांसर (कोई दो)	1
	घ	–	–	• घटनास्थल से प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को दिखा कर खबरों को पुष्ट करना।	1
	ङ	–	–	• सनसनीखेज़ एवं किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के मान–हनन के लिए की जाने वाली पत्रकारिता।	1
	–	5	–		
	–	क	–	• घटनास्थल से प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को दिखाकर खबरों को पुष्ट करना।	1
	–	ख	–	• सरल एवं सहज। • आम जनता की भाषाओं के करीब।	1
	–	ग	–	• घटनास्थल पर जाकर जानकारी प्राप्त कर समाचार का संकलन करना तथा अखबार को भेजना।	1
	–	घ	–	• उदंत मार्तण्ड	1
	–	ङ	–	• प्रसार भारती	1
	–	–	(5) (क)	• संपादन • प्रकाशन	1

	–	–	ख	• दादा साहेब फाल्के	**1**
			ग	• 1556 में • गोवा में	**1**
			घ	• जिन सूचनाओं या घटनाओं को छिपाने या दबाने का प्रयास किया जाता हे उसे गहराई से छान बीन कर उजागर करना।	**1**
			ङ	• मुख्य समाचार को।	**1**
6	6	6	6	• विषय वस्तु– 2 • प्रस्तुति – 2 • भाषा – 1	**5**
7	7	7	7	• विषय वस्तु – 3 • प्रभावी प्रस्तुति – 1 • भाषा – 1	**5**
				<u>खंड–ग</u>	
8	8 क	9 क	8 क	• घर पहुँचने में देर न हो जाए। • क्योंकि बच्चे राह देख रहे होंगे। • उनसे मिलने की बेचैनी।	**2×4=8**
	ख	ख	ख	• अपने माता–पिता की प्रतीक्षा में। • भोजन करने की आशा में। • उनसे मिलने की बेचैनी में।	

	ग	ग	ग	• रास्ते में कोई व्यवधान न हो जाए। • समय का तेजी से बीतना। • मंजिल मिलने में देर न हो।	
	घ	घ	घ	• अपने बच्चे को याद कर। • अपने घोंसले में जल्दी से जल्दी पहुँचने की इच्छा के कारण।	
				<u>अथवा</u>	
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	• धनी वर्ग को। • शोषण करने वाले को। • ऊँचे–ऊँचे घरों में रहने वाले लोगों को।	
	ख	ख	ख	• पंक–कीचड़ , शोषित वर्ग जलज–कमल , शोषक वर्ग।	
	ग	ग	ग	• सामाजिक परिवर्तन शोषित वर्ग द्वारा आंदोलन से होता है। • अत्याचार ,अन्याय तथा हिंसा का शिकार भी शोषित वर्ग ही होता है।	
	घ	घ	घ	• शिशु। • कठिनाइयों में भी शिशु अनजान बन मुस्कुराता है। • शोषित वर्ग भी कठिनाइयों में मुस्कुराता है।	

9	9 क	8 क	9 क	• लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो। • गौर झिलमिल देह जैसे हिल रही हो।	**2×3=6**
	ख	ख	ख	• सूर्योदय से पहले के प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण। • गतिशील शब्द–चित्र। • आलंकारिक वर्णन। • बोलचाल की हिन्दी भाषा।	
	ग	ग	ग	• सूर्योदय होने के दृश्य का वर्णन। • सूर्य ऐसे निकल रहा है जैसे किसी ने काली सिल को केसर से धो दिया है। या किसी ने काली सिल पर लाल खड़िया मल दी हो। • नीले आकाश से सूर्य ऐसे उदित हो रहा है जैसे कोई गौर वर्णीय युवती नीले जल से बाहर आ रही हो। **अथवा**	
	क	क	क	• खरगोश की आँखों से • चमकीली साईकिल से • ये दोनों अपनी सुंदरता / आकर्षण से किसी को भी आकर्षित कर लेते हैं।	
	ख	ख	ख	• मानवीकरण।	

				• शरद ऋतु डाकिये के समान साइकिल पर सवार घंटी बजाते हुए पुलों को पार करते हुए उत्साह के साथ आ रही है।	
	ग	ग	ग	• बिंबों के माध्यम से सौंदर्य और अनुभूति का सहज प्रकटीकरण। • चित्र–बिंब। • ध्वनि–बिंब। • गतिशील बिंब।	
10	10 क	10 क	10 क	• कविता में कल्पना द्वारा उड़ने की सीमा नहीं होती है वैसे ही बच्चों की कल्पना की भी कोई सीमा नही होती।	3+3=6
				• दोनों कल्पना द्वारा कहीं भी किसी समय जा सकते हैं।	
	ख	ख	ख	• संवेदनशील रह कर व्यक्ति को वस्तु के रूप में प्रयोग का विरोध। • बाजार का मुनाफ़े से मतलब लाभ कमाना। • बाजार के पास संवेदना नहीं।	
	ग	ग	ग	• प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण। • पक्षी और प्रकृति की सुंदरता की अनुभूति की अभिव्यक्ति। • कवि की भावनाओं का सुंदरता में विलय।	

11	11 क	12 क	11 क	• अभिजात वर्ग को। • संसार का वैभव, वस्तु प्राप्त कर भी अतृप्ति। • संचय की तृष्णा।	**2×4=8**
	ख	ख	ख	• संचय की तृष्णा। • वैभव की चाह। • धन की ओर झुकाव। • संतोष न होना–अबलता।	
	ग	ग	ग	• जिस व्यक्ति में आत्मिक शक्ति का अभाव होता है, वह निर्बल है और वही संतोष के अभाव में धन की ओर झुकता है।	
	घ	घ	घ	• लालची और अतृप्त होना। • सब कुछ प्राप्त करने की चाह। • आवश्यकता से अधिक प्राप्त करने की इच्छा।	
				अथवा	
	क	क	क	• विमाता भक्तिन से ईर्ष्या करती थी। • उसे भय था कि उसका पति संपत्ति में से भक्तिन को कुछ न कुछ देगा।	
	ख	ख	ख	• पिता की मृत्यु की सूचना छिपा कर मायके भेजना। • पहना–ओढ़ा कर तैयार कर उत्साह से भेजना।	
	ग	ग	ग	• सास द्वारा मायके भेजने पर उत्साहित, खुशी, पिता की	

				मृत्यु की सूचना नहीं। • गाँव पहुँचते ही लोगों द्वारा सहानुभूति के स्वर सुन कर दुखी होना, उत्साह ठंढा पड़ जाना।	
	घ	घ	घ	• पिता की मृत्यु हो गई थी। • विमाता की सहानुभूति न मिली। • आदर–सत्कार मायके में न मिलना। • भक्तिन को उलाहना मिलना।	
12	12 क	11 क	12 क	• भक्तिन गुण–अवगुण से अछूती नहीं। • सरल स्वभाव, मेहनती, दृढ़ता। • पैसे को ऐसे सँभालती कि ऐसी विशेषता दुर्लभ। • लेखिका के लिए झूठ बोलने से परहेज नहीं, देहातिन की तरह रहना आदि। (अन्य बिन्दु भी स्वीकार्य)	**3×4=12**
	ख	ख	ख	• बाजार उसके लिए सार्थक जो क्या खरीदना है, वह जानता है। • खरीदने वालों की चाहत से ही बाजार की उपयोगितां • पर्चेजिंग पावर वाले बाजार के महत्व का सत्यानाश कर, उसे विनाशक बना देते हैं।	
	ग	ग	ग	• भारतीय समाज में लोक	

				विश्वास व्याप्त। • लोक–विश्वास तथा विज्ञान के बीच द्वंद्व। • विज्ञान द्वारा सुख–सुविधा की चाहत, विज्ञान के सिद्धांतों को आत्मसात नहीं करना। • सांस्कृतिक एवं पारंपरिक मूल्यों की अवहेलना। • लेखक विज्ञान के साथ जबकि जीजी लोक–विश्वास के साथ।	
	घ	घ	घ	• श्याम नगर दंगल में जब चाँद सिंह को पछाड़ा। • राजा साहेब द्वारा पुरस्कार तथा राज–दरबार का पहलवान घोषित। • चारों तरफ चर्चा।	
	ङ	ङ	ङ	• विस्थापन का दर्द जीवन भर चलता है। • राजनीतिक रेखाओं को भावनाएँ स्वीकार नहीं करतीं। • यथार्थ परिस्थितिवश आरोपित। • पुरानी जगहों से लगाव।	
13	13	–	–	• कथन के अनुकूल तथा प्रतिकूल प्रतिक्रियाओं के संदर्भ में बच्चों के मौलिक चिंतन एवं अभिव्यक्ति के आधार पर मूल्यांकन।	**5**

	—	13	—	• समय का पाबंद होना। • सरल, सहज जीवन, दिखावे से परहेज। • आदर्श को स्थान देना। (अन्य अपेक्षित बिंदुओं के साथ विद्यार्थियों के चिंतन तथा अभिव्यक्ति अपेक्षित)	
	—	—	13	• साहस। • परिश्रम। • बड़ों का आदर। • लगन, कर्म के प्रति समर्पण। • पाठ के संदर्भ में एक–दो उदाहरणों द्वारा स्पष्टीकरण।	
14	14 क	14 क	14 क	(दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित) • आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद पढ़ाई करने की चाहत। • घर का कामकाज कर स्कूल जाना। • परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाना। (पाठ के संदर्भ में विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति भी स्वीकार्य)	**2×5=10**
	ख	ख	ख	• स्त्री का जीवन संघर्षमय। • पारिवारिक एवं सामाजिक स्तर पर संघर्ष। • नारी बच्चे को जन्म देते समय पीड़ा व कष्ट सहती है। • पुरुष अपनी शारीरिक क्षमता के कारण स्त्रियों पर शासन। • स्त्री युद्ध लड़ने वाले सैनिकों से कम नहीं।	

	ग	ग	ग	(अन्य उपयुक्त बिंदुओं के साथ उत्तर भी स्वीकार्य) • यशोधर बाबू आदर्शवादी व्यक्ति • यशोधर बाबू का चरित्र समय के साथ तालमेल नहीं बिठा पाता। • बच्चों की सफलता अच्छी भी लगती है और योग्यता पर संदेह भी होता है। • भाव और विचार में द्वंद्व। • आधुनिक मूल्यों को अपनाने ओर छोड़ने में भी द्वंद्व दिखाई देता है।	